>

Title: Need to provide remunerative price of wheat to farmers in Uttar Pradesh.

श्री आर.के.ि◌ंसह पटेल (बांदा): मैं सरकार का ध्यान अविलंबनीय लोक महत्व के विषय में आकृष्ट कराना चाहूंगा कि देश का किसान गेहूं का समर्थन मूल्य लागत मूल्य के बराबर भी नहीं पाता है । रासायनिक खाद, डीजल तथा महँगे कृषि यंत्रों ट्रैक्टर आदि के बढ़े हुए दामों के कारण उत्पादन लागत 1500 रू0 प्रति कुन्टल के हिसाब से आ रही है, जबकि किसानों के लागत मूल्य से डेढ़ गुना यानि 2250 रू0 प्रति कुन्तल गेहूं का समर्थन मूल्य दिया जाए ।

वर्तमान समय में गेहूं की सरकारी क्रय केंद्रों पर खरीद हो रही है । क्रय केंद्रों पर किसान परेशान हो रहे हैं । किसान कई-कई दिनों तक ट्राली में गेहूं लादकर क्रय केंद्रों पर लाइन में खड़ा रहता है । क्रय केंद्र में कमीशन लेकर गेहूं की तौल हो रही है । कमीशन न देने वाले किसानों को क्रय केंद्रों से लौटाया जा रहा है । उ0प्र0 में लोक सभा क्षेत्र बांदा के बांदा एवं चित्रकूट जनपदों में क्रय केंद्रों पर किसानों की लंबी लाईन लगी है । किसान परेशान है तथा आंदोलन को बाध्य हो रहा है ।

अतः इस अविलंबनीय लोक महत्व के विषय पर सदन की कार्यवाही रोक कर चर्चा कराने के साथ मेरे लोक सभा क्षेत्र बांदा के जनपद बांदा एवं चित्रकूट में गेहूं खरीद समय से कराने की माँग करता हूं।